दिल में न बिठाना

बिक जाना मिट जाना, देश के लिए,
डर दिल में न बिठाना, देश के लिए,
बरसों इसका खाया, अब अदा करो,
मौका जां देने का, देश के लिए
डर दिल में न बिठाना...।

दुश्मन आज डरा दो, तुम दहाड़ से,
दम खम कर लो ऊंचा, तुम पहाड़ से,
सिर बैरी का लाना, देश के लिए,
डर दिल में न बिठाना...।

दुश्मन अपने सौ-सौ, मार के मरो,
रख के शान वतन की, शान से मरो,
उनको धूल चटाना, देश के लिए,
डर दिल में न बिठाना...।

हमला ऐसा करना, ताकते रहें,
गोलियों के शोर में, नाचते रहें,
नानी याद दिलाना, देश के लिए,
डर दिल में न बिठाना...।

अपना प्यारा भारत, अब नया बने,
दुश्मन पे बिजली, मित्र पे दया बने,
'राही' राह दिखाना देश के लिए,
डर दिल में न बिठाना...।

-हरजीत राही
मो. 86995-16845